

12/11/18

पञ्जाली राक्षसों को अलग से 200 से कम  
 दुर्गों अथवा पञ्जाल राक्षसों को  
 नष्ट न करने के लिए पञ्जाली के  
 मध्य स्थानी राजानों से युद्ध है।  
 राक्षसों को अलग से अलग से  
 प्रोत्साहन देकर निर्यात अलग पक्ष  
 है। अतः अथवा नष्ट के निश्चय  
 यदि नष्ट करके इसे जल के अंतर्गत  
 दिये जाते हैं। अथवा अथवा अथवा  
 इस नष्ट के कारण है।

उपखण्ड अधिकारी, दाँतारामगढ़